



न्यूज डायरी

झारखंड के कई जिलों में आज भारी बारिश

रांची। झारखंड के दक्षिण पश्चिमी जिलों में 26 जून को भारी बारिश होने की आशंका है। मौसम विभाग के अनुसार ने पूर्वी और पश्चिमी सिंहभूम, सरायकेला-खरसावां, पलामू, गढ़वा, चतरा, सिमडेगा और लातेहार में भारी बारिश होने की आशंका है। इसके अलावा 28 जून तक गर्जन और तेज हवा चलने की आशंका है।

छठ पूजा के बाद बिहार विधानसभा चुनाव संभव

नयी दिल्ली। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 की तैयारियों में चुनाव आयोग पूरी तरह सक्रिय हो गया है। इस बार 22 सालों के बाद राज्य में मतदाता सूची का व्यापक पुनरीक्षण किया जा रहा है। सुर्खों के अनुसार, फाइनल मतदाता सूची जारी होने के तुरंत बाद, अक्टूबर के पहले सप्ताह में चुनाव कार्यक्रम की घोषणा हो सकती है। संकेत मिल रहे हैं कि विधानसभा चुनाव दिवाली और छठ पूजा के बाद कराये जा सकते हैं।

अमरनाथ यात्रा की शुरूआत 3 जुलाई से

जम्मू। इस साल अमरनाथ यात्रा 3 जुलाई से शुरू हो रही है, इसके मद्देनजर सुरक्षा के पूरे इंतजाम कर दिए गए हैं। अधिकारियों ने बताया कि अमरनाथ यात्रा 9 अगस्त को समाप्त होगी। इस बार बहु-स्तरीय सुरक्षा व्यवस्था की गई है। यात्रा को सुरक्षित बनाने के लिए 10 एसपी, 15 डिटी एसपी, जम्मू-कश्मीर पुलिस और केंद्रीय अर्धसैनिक बल के जवान तैनात किए गए हैं।

शुभांशु शुक्ला एक्सिओम-4 मिशन के लिए रवाना

वाशिंगटन। भारतीय वायुसेना के ग्रुप कैप्टन और अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला एक्सिओम-4 मिशन के लिए रवाना हो गए। फ्लोरिडा स्थित नासा के कैंनेडी स्पेस सेंटर से बुधवार को भारतीय समयानुसार दोपहर 12:01 बजे एक्सिओम मिशन-4 स्पेसएक्स के ड्रैगन अंतरिक्ष यान ने चार अंतरिक्ष यात्रियों के साथ उड़ान भरी। इसे फाल्कन



पायलट की भूमिका है। उनके साथ इस मिशन में अनुभवी नासा अंतरिक्ष यात्री पैगी व्हिटसन, पोलैंड से ईएसए अंतरिक्ष यात्री स्लावोज

उज्जान्स्की विस्नीव्स्की और हंगरी से तिबोर कापू भी शामिल हैं। इस मिशन की अवधि 14 दिन है। नासा के अनुसार, लॉन्चिंग के अगले दिन 26 जून की शाम लगभग 4 बजकर 30 मिनट पर ड्रैगन कैप्सूल अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन से डॉक करेगा। नासा और स्पेसएक्स के सहयोग से एक्सिओम स्पेस ने इस

मिशन को तैयार किया है। यह कमर्शियल और वैश्विक अंतरिक्ष एक्सप्लोरेशन में एक बड़ा कदम है। किसी भी भारतीय एस्ट्रोनॉट (शुभांशु शुक्ला) की आईएसएस के लिए ये पहली उड़ान है जबकि अंतरिक्ष में जाने वाले वे दूसरे भारतीय हैं। इससे पहले वर्ष 1984 में अंतरिक्ष यात्री रakesh शर्मा ने अंतरिक्ष की यात्रा की थी।

रथ यात्रा

भगवान जगन्नाथ, बलभद्र व माता सुभद्रा का नेत्रदान आज



खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। राजधानी रांची के धुर्वा स्थित जगन्नाथपुर मंदिर केवल आस्था और विश्वास का केंद्र नहीं है, बल्कि यह आदिवासी और सदान समुदाय के सम्मिलित सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक भी है। इसी आस्था के दरबार में 26 जून को दोपहर बाद भगवान जगन्नाथ, भाई बलभद्र और माता सुभद्रा का नेत्रदान अनुष्ठान संपन्न होगा। अगले दिन 27 जून को ऐतिहासिक रथ मेला का आयोजन होगा, जिसमें लाखों श्रद्धालु भगवान जगन्नाथ के दर्शन के लिए जुटेंगे।

प्रभावितों के रोजगार और पुनर्वास का किया जायेगा समाधान

संशोधित झरिया मास्टर प्लान को मंजूरी, ₹5940 करोड़ होगा खर्च

केंद्रीय कैबिनेट

एजेंसी

नयी दिल्ली/धनबाद। केंद्र सरकार ने बुधवार को झारखंड के धनबाद स्थित झरिया कोयलांचल के लिए संशोधित झरिया मास्टर प्लान को मंजूरी दे दी है। इस योजना के तहत कुल 5,940.47 करोड़ रुपये खर्च किये जायेंगे। योजना का उद्देश्य वर्षों से चली आ रही आग, भूमि धंसान और प्रभावित परिवारों के पुनर्वास की गंभीर समस्याओं का समाधान करना है। संशोधित मास्टर प्लान चरणबद्ध तरीके से लागू होगा, जिसमें सबसे पहले आग और



■ सभी प्रभावित परिवारों को ₹1 लाख की आजीविका अनुदान राशि दी जायेगी, वे ₹3 लाख तक की संस्थागत ऋण सहायता भी प्राप्त कर सकेंगे

जिससे उनकी रोजगार क्षमता बढ़े। बुनियादी ढांचों का विकास : इस योजना में पुनर्वास स्थलों पर बुनियादी ढांचे और सुविधाओं के विकास पर भी ध्यान दिया जायेगा। इनमें सड़कें, बिजली, जल आपूर्ति, सीवरेंज, अस्पताल, स्कूल, कौशल विकास केंद्र और सामुदायिक भवन शामिल हैं। यह सभी कार्य संशोधित झरिया मास्टर प्लान के कार्यान्वयन समिति की सिफारिशों के आधार पर

किए जाएंगे।

केंद्रीय कैबिनेट के फैसले के अनुसार संशोधित मास्टर प्लान के तहत झरिया वैकल्पिक आजीविका पुनर्वास कोष की स्थापना की जाएगी, जो आजीविका से जुड़ी गतिविधियों और कौशल विकास प्रयासों को समर्थन देगा। इस कार्य में क्षेत्रीय बहु-कौशल विकास संस्थानों की भागीदारी सुनिश्चित की जायेगी। इस संशोधित योजना से न केवल झरिया की गंभीर पर्यावरणीय और मानवीय समस्याओं का समाधान होगा, बल्कि यह स्थानीय निवासियों को दीर्घकालिक सामाजिक-आर्थिक उन्नति की ओर भी अग्रसर करेगी।

सिल्ली के एक घर में घुसा बाघ

वन विभाग ने किया रेस्क्यू

अंधेरे में अहले सुबह घर घुस गया था बंगाल टाइगर

खबर मन्त्र संवाददाता

सिल्ली/मुरी। रांची जिले के सिल्ली प्रखंड के मारदू गांव में बुधवार को पूरण चंद महतो के घर में एक बाघ घुस गया। इससे लोगों में हड़कंप मच गया। बाघ घुसने की सूचना सिल्ली थाना और मुरी ओपी को दी गयी। सूचना मिलते ही प्रशासन घटनास्थल पर पहुंचा और वन विभाग को इसकी सूचना दी। अनुमंडल दण्डाधिकारी उत्कर्ष कुमार ने मुरी ओपी क्षेत्र के मारदू गांव में घटनास्थल से 200 मीटर की परिधि में जान माल की सुरक्षा को देखते हुए निषेधाज्ञा लागू कर दी। घर में बाघ घुसने के मामले में पूरण चंद महतो ने बताया कि सुबह 4:30 बजे वह उठकर दरवाजा खोलकर बाहर निकले, इसी क्रम में बाघ अंधेरे का फायदा उठाते हुए



घर में घुस गया। जब वे घर के अंदर घुसे तो बाघ को देखकर घबरा गये। धैर्य और साहस जुटाकर घर में सो रहे अपने तीनों बच्चों को लेकर बाहर भाग खड़े हुए और बाहर से दरवाजा बंद कर दिया। बाघ ने किसी को क्षति नहीं पहुंचायी। वन विभाग सिल्ली, पलामू और ओरमांडी की टीम घटनास्थल पर पहुंचकर बाघ को सुरक्षित तरीके से रेस्क्यू कर अपने साथ ले गए। तब जाकर ग्रामीणों ने राहत की सांस ली।

रांची मेन रोड दंगा के आरोपी महबूब को

नहीं मिली अग्रिम बेल

रांची। झारखंड हाईकोर्ट ने वर्ष 2022 में रांची के मेन रोड पर हुए दंगा मामले में आरोपी महबूब आलम को अग्रिम जमानत देने से इनकार कर दिया है। बुधवार को सुनवाई के बाद न्यायमूर्ति आनंद सेन की अदालत ने आरोपी की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी।

गौरतलब है कि 10 जून 2022 को जुमे की नमाज के बाद रांची के मेन रोड इलाके में उपद्रव, पत्थरबाजी और गोलीबारी की घटना हुई थी। इस घटना के बाद डेली मार्केट थाना में बड़ी संख्या में लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई थी। मामले में हजारों लोगों को अभियुक्त बनाया गया है। महबूब आलम को भी इसी मामले में आरोपी बनाया गया है, जिसको लेकर उन्होंने अग्रिम जमानत की मांग की थी। लेकिन हाईकोर्ट ने याचिका पर सुनवाई के बाद उसे खारिज कर दिया।



मादक पदार्थों के विरुद्ध राज्यव्यापी जागरूकता अभियान का समापन कार्यक्रम

मुख्य अतिथि

श्रीमती दीपिका पाण्डेय सिंह

माननीय मंत्री, ग्रामीण विकास विभाग, ग्रामीण कार्य विभाग तथा पंचायती राज विभाग, झारखंड सरकार

इस मौके पर वेबसाइट <https://resist.jharkhand.gov.in> भी लॉन्च किया जाएगा

दिनांक: 26 जून 2025
समय - अपराह्न 1 बजे से 2:30 बजे तक
स्थान: शौर्य सभागार, डोरंडा, राँची

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, झारखण्ड सरकार



इस दौरान मादक पदार्थों के दुरुपयोग से दूर रहने हेतु राज्य के अलग अलग क्षेत्रों में 12000 से भी अधिक जागरूकता कार्यक्रम संचालित किया गया।

इससे पूर्व इस वर्ष लगभग 27000 एकड़ में लगे अफीम की अवैध खेती को विनष्ट किया गया है

 खबर मन्त्र रांची. गुरुवार .26 जून 2025 रियल स्टेट में तेजी	 अभिव्यक्ति आपातकाल एक त्रासदी किसी हाल में इसे भूलें नहीं	 epaper.khabarmantra.net लेटर टू एडिटर कड़ी कार्रवाई हो	
 अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक परिस्थितियों और राजनीतिक अनिश्चितताओं का असर रियल एस्टेट में संस्थागत निवेश पर दिखा और 2025 की पहली छमाही में इस निवेश में गिरावट दर्ज की गई है। निवेश संबंधी निर्णयों की समयसीमा बढ़ाई जा सकती है और ये संभवतः 2026 तक स्थानांतरित हो सकती हैं। हालांकि इन हालात के बाद भी संस्थागत निवेश का प्रदर्शन बहुत बुरा नहीं रहा। संस्थागत निवेश में अब अमेरिका पिछड़ रहा है और एशिया प्रशांत रीजन बहुत हासिल करने लगा है। संपत्ति सलाहकार फर्म जेएलएल की रिपोर्ट के अनुसार, 2025 की पहली छमाही में 30 सौदों के जरिए संस्थागत निवेश 306.8 करोड़ डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। इसमें साल-दर-साल 37 फीसदी गिरावट दर्ज की गई। पिछले साल की इसी अवधि में 40 सौदों के माध्यम से 489.3 करोड़ डॉलर का निवेश हुआ था। चुनौतीपूर्ण अंतरराष्ट्रीय आर्थिक स्थितियों और राजनीतिक अनिश्चितताओं के कारण निवेश सुस्त पड़ा है। हालांकि इस मंदी के बावजूद रियल एस्टेट बाजार ने मजबूत प्रदर्शन किया है। यह मंदी एक असाधारण कैलेंडर वर्ष 2024 के बाद आई है, जिसमें निवेश एंटीहासिक शिक्षर पर पहुंच गया था, जो 2007 में 8.4 अरब डॉलर के पिछले रिकॉर्ड को पार कर गया था। संस्थागत निवेशकों ने आरईआईटी, व्यूआईपी और सूचीबद्ध संस्थाओं में निवेश सहित सार्वजनिक बाजार चैनलों के माध्यम से भाग लेना जारी रखा। वर्ष 2025 का सबसे उल्लेखनीय लेनदेन ब्लैक स्टोन का भारत के आवासीय रियल एस्टेट क्षेत्र में रहा। ब्लैकस्टोन ने कोल्टे-पाटिल डेवलपर्स में 66 फीसदी तक हिस्सेदारी हासिल करने के लिए लगभग 21.40 करोड़ डॉलर का निवेश किया। भारत का रियल एस्टेट क्षेत्र घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों तरह के आत्मविश्वास से प्रेरित निवेश में तेजी बनी रहेगी।	 अंग्रेजों से आजाद होने के बाद भारत लोकतांत्रिक देश तो बन गया, लेकिन ठीक 25 साल बाद तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की ओर से थोपी गई इमरजेंसी में लोकतंत्र की ध्वजियां उड़ गई थीं। 25 जून, 1975 की आधी रात अपनी सत्ता बनाए रखने के लिए इंदिरा ने तानाशाही का ऐसा नमूना पेश किया, जो उस पीढ़ी के लोग अब भी नहीं भूल पाए हैं। बीते साल 25 जून को लोकसभा अध्यक्ष चुने जाने के तुरंत बाद ओम बिरला ने आपातकाल की निंदा करते हुए एक प्रस्ताव पढ़ा, जिसमें आपातकाल को 'प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा संविधान पर हमला' बताया गया। इस कदम के बाद सदन में कांग्रेस सांसदों ने विरोध किया। कांग्रेस की ओर से कहा गया कि पांच दशक पुराने इस काले दौर का स्मरण नहीं किया जाना चाहिए। संयोगवश, इंडिया ब्लॉक के सदस्यों ने एक दिन पूर्व 24 जून को सदस्य के रूप में शपथ लेते समय संविधान की प्रतियां उठाई थीं। ऐसे में अहम सवाल यह है कि क्या कांग्रेस आपातकाल को सही मानती है या फिर यह चाहती है कि लोकतंत्र को कलंकित करने और संविधान का निरादर करने वाले इस तानाशाही भरे कदम का स्मरण नहीं किया जाना चाहिए? क्या कांग्रेस कांग्रेस चाहती है कि आपातकाल पर चर्चा नहीं होनी चाहिए। लेकिन आपातकाल के भुगतभोगी आम लोगों और नेताओं का मानना है कि अतीत की भूलों को विस्मृत करने से उनके दोहराए जाने का खतरा बढ़ जाता है। वास्तव में कांग्रेस और उसके नेता आपातकाल की गलती को स्वीकार नहीं करते। अगर वह अपनी गलती स्वीकार करते तो वह यह कहने की हिम्मत जुटाते कि 49 साल पहले तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की ओर से देश पर आपातकाल थोपने और राजनीतिक विरोधियों, मीडिया एवं जनता के खिलाफ दमन का चक्र चलाना एक भूल थी। कांग्रेस को आपातकाल की याद दिलाना इसलिए आवश्यक है, क्योंकि पिछले कुछ समय से वह संविधान के खतरे में होने का फर्जी हौवा खड़ा कर उसके प्रति प्रतिबद्धता जताने में लगी हुई है। यह ठीक है कि 2024 के लोकसभा चुनावों में कांग्रेस का संख्या बल बढ़ा है, लेकिन इसका यह मतलब नहीं कि वह दबे-छिपे स्वर में आपातकाल को सही ठहराने की कोशिश करती दिखने लगे। उसकी यह कोशिश तो आपातकाल के स्मरण को और अधिक आवश्यक ठहराती है। यदि वह संविधान के प्रति इतनी ही	 किया। यह प्रतिज्ञा तभी बनी रहेगी जब देश बार बार उस आपातकाल से मिलने वाले सबक को याद करता रहेगा। खास कर, युवाओं को आजाद भारत के उस काले अध्याय की जानकारी और उससे मिले सबक को जानना होगा।" देश में आपातकाल लागू होने के बाद कई त्रासद घटनाएं हुईं। दिल्ली का तुर्कमान गेट कांड भी इनमें एक था। मुस्लिम बहुल उस इलाके को संजय गांधी ने दिल्ली के सौंदर्यीकरण के नाम पर खाली करा दिया। यह काम लोगों की सहमति से नहीं, बल्कि जबरन किया गया गया। बुल्डोजर से लोगों के घर ढहाए गए। जिन्होंने विरोध किया, उन्हें जेलों में ठूस दिया गया। विरोध के दौरान पुलिस ने लाठियां बरसाईं और आंसू गैस के गोले छोड़े। पुलिस ने गोलियां भी चलाईं। चार लोगों की जान चली गई। संजय गांधी ने तब तक परिवार नियोजन का अभियान छेड़ दिया था। सड़क से भिखारियों, झोपड़पट्टी के लोगों और राहगीरों को पकड़ कर जबरन नसबंदी के टार्गेट पूरे किए जाने लगे। उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर में 18 अक्टूबर 1976 को नसबंदी अभियान का विरोध कर रहे आंदोलकारियों पर पुलिस ने सीधी फायरिंग कर दी थी। जिसमें 42 बेगुनाहों की मौत हो गई थी। मृतकों की स्मृति में यहां शहीद चौक बना हुआ है। एक रिपोर्ट के मुताबिक इमरजेंसी के दौरान देशभर में 1 करोड़ 10 लाख से ज्यादा लोगों की नसबंदी कर दी गई थी। तत्कालीन अटार्नी जनरल नीरेन डे ने तब सुप्रीम कोर्ट में यह कुबूल किया था कि जीने का अधिकार स्थगित है। यदि स्टेट आज किसी की जान भी ले ले तो भी उसके खिलाफ कोई व्यक्ति कोर्ट की में नहीं जा सकता। ऐसे मामलों को सुनने के कोर्ट के अधिकार खत्म कर दिए गए हैं। ऐसा तो अंग्रेजों के राज में भी नहीं था। विलायती शासन में भी कम से कम जनता को कोर्ट में जाने की छूट तो मिली हुई थी।	 द्वीट जीवन से संसार से परिवार से व्यापार से धर्म अलग हुआ तो धर्म एक बोझिल ड्यूटी मात्र रह जाती है और उसका पालन कुछ अनहोनी क्षति का भय या सामाजिक भय या झुटा दिखावा या आंतरिक लोभ के कारण किया जाता है। निष्कर्ष धर्म आर्नोदित प्रेमपूर्ण जीवन की विशुद्ध कला ही है जो इन्विल्ट रहती है, वैसा जीवन जिसमें ज्ञान बोध युक्त होना प्रमुख होता है इसका श्रोत सदगुरु की वाणी शास्त्र आत्मचिंतन एवं आचरण अभ्यास है इसी को धार्मिक आध्यात्मिक जीवन होना समझें और इसका परिणाम प्रेम शांति आनंद से भरपूर जीवन है। जीवन से धर्म की मृत्यु हो जाएगी जीवन निरस बोझ बन जाएगा। - दास ऋतेश्वर
 मेघ : अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। घटन-पाटन में स्थिति कमजोर रहेगी। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। मानसिक एवं शारीरिक स्थििलता पैदा होगी। जल्दबाजी में कोई भूल संभव है। आय-व्यय की स्थिति समान्य रहेगी। शुभांक-5-7-8	 देन : में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अतः आलस्य का त्याग करें। शुभांक-4-6-8	 कन्या : भावनाओं का उद्वेग बढ़ेगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। आपसी प्रेम-भाव में बढ़ोतरी होगी। धार्मिक कार्य शुभ रहेगा। शुभांक-2-4-6	 तुला : योजना क्रियान्वन के लिए समय अच्छा व सकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। सफलता मिलेगी। सुनियोजित तरीके से कार्यारम्भ करें। शुभांक-3-6-7
 वृष : आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। दूसरों के कार्यों में अनावश्यक हस्तक्षेप न करें। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। भय तथा शत्रुतामि की आशंका रहेगी। एकाकी प्रवृति का त्याग करें। यात्रा न करें। शुभांक-4-6-7	 मिथुन : शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मन प्रसन्न बना रहेगा। अचल संपत्ति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। शुभांक-4-6-8	 कर्क : नये-नये व्यापारिक अनुबन्ध होंगे। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। हरि करे सो खरी इसीलिए पूरे मनोयोग से कार्य करें। शुभांक-3-6-9	 सिंह : कार्यक्षेत्र में खुशनुमा माहौल बनेगा। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-
 संस्थापक स्व. डॉ अभय कुमार सिंह स्वामित्व वृन्दा मीडिया पब्लिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक, प्रकाशक मंजू सिंह द्वारा चिरौंदी, बोड़ैया रोड, रांची (झारखंड) से मुद्रित एवं प्रकाशित। प्रधान संपादक सौरभ कुमार सिंह संपादक अविनाश ठाकुर* फोन : 95708-48433 पिन:- 834006 e-mail khabarmantra.city@gmail.com R.N.J No. JHAHINI/2013/51797	 धनबाद कार्यालय लुबी सकुंलर रोड, धनबाद 826001 से प्रकाशित। (R.N.J.No. आवेदित)	 *पीआरबी एक्ट के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी। प्रकाशित खबरों से संबंधित किसी भी विवाद का निपटारा रांची न्यायालय में ही होगा।	 झारखंड का एक विश्व प्रसिद्ध मंदिर जहां आदि शंकराचार्य और चैतन्य महाप्रभु ने भ्रमण किया था। मल्टी स्थित यह प्रसिद्ध स्थल पर्यटकों के लिए आर्कषण का केन्द्र है। फोटो- अजय सानी
 कार्टून वर्ल्ड 	 कार्टून वर्ल्ड 		

